नाम.................. वार्षिक परीक्षा, 2024 SP4

रोल नं.............. कक्षा-XI

हिन्दी (साहित्य व सामान्य)

समय : 3:00 घंटा] **[पूर्णांक : 100**

नोट—सभी प्रश्न करना अनिवार्य है।

खण्ड 'क'

1. (क) 'अशोक के फूल' के रचनाकार हैं— 1×5=5
   (अ) जयशंकर प्रसाद (ब) रामचन्द्र शुक्ल (स) हजारी प्रसाद द्विवेदी (द) भारतेन्दु

   (ख) 'कलम का सिपाही' के रचनाकार हैं—
   (अ) अमृत राय (ब) महादेवी वर्मा (स) दिनकर (द) सम्पूर्णानन्द

   (ग) 'यामा' के रचनाकार हैं—
   (अ) मुंशी प्रेमचन्द (ब) श्रीराम शर्मा (स) महादेवी वर्मा (द) मीराबाई

   (घ) 'तार सप्तक' का प्रकाशन वर्ष है—
   (अ) सन् 1943 ई. (ब) सन् 1843 ई. (स) सन् 2043 ई. (द) सन् 1954 ई.

   (ङ) 'बीजक' के रचनाकार हैं—
   (अ) कबीरदास (ब) सूरदास (स) रहीम (द) तुलसी

2. (क) 'साहित्यालोचन' के रचनाकार हैं—
   (अ) श्यामसुन्दर दास (ब) रामचन्द्र शुक्ल (स) हजारी प्रसाद द्विवेदी (द) पंत

   (ख) 'कन्यादान' के लेखक हैं—
   (अ) भारतेन्दु (ब) सरदार पूर्ण सिंह (स) श्यामसुन्दर दास (द) रहीम

   (ग) रीतिमुक्त काव्य के रचनाकार हैं—
   (अ) भूषण (ब) बिहारी (स) केशवदास (द) घनानन्द

   (घ) 'साकेत' में कितने सर्ग हैं—
   (अ) 12 (ब) 15 (स) 17 (द) 10

   (ङ) 'कामायनी' किस विधा की रचना है?
   (अ) नाटक (ब) उपन्यास (स) महाकाव्य (द) कहानी

3. दिये गये गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश पर आधारित प्रश्नों का उत्तर लिखिए— 5×2=10

[P.T.O.

प्रेम की भाषा शब्द-रहित है। नेत्रों की, कपोलों की, मस्तक की भाषा भी शब्द-रहित है। सच्चा आचरण-प्रभाव, शील अचल-स्थित संयुक्त आचरण न तो साहित्य के लम्बे व्याख्यानों से गढ़ा जा सकता है; न वेद की श्रुतियों के मीठे उपदेश से; न अंजील से; न कुरान से; न धर्म चर्चा से; न केवल सत्संग से। जीवन के अरण्य में धंसे हुए पुरुष के हृदय पर प्रकृति और मनुष्य के जीवन के मौन व्याख्यानों के यत्न से सुनार के छोटे हथौड़े की मंद-मंद चोटों की तरह आचरण का रूप प्रत्यक्ष होता है।

(अ) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) प्रेम की भाषा कैसी होती है?
(द) उपर्युक्त गद्यांश के आचार पर आचरण का रूप कैसा होता है?
(य) प्रेम की भाषा के द्वारा हमारे हृदय के भावों को किस प्रकार प्रकट किया जाता है?

अथवा

आत्मा अजर और अमर है। उसमें अनन्त ज्ञान, शक्ति और आनन्द का भण्डार है। अकेले ज्ञान कहना भी पर्याप्त हो सकता है। क्योंकि जब ज्ञान होता है वहाँ शक्ति होती है। और जहाँ ज्ञान व शक्ति होती है वहाँ आनन्द भी होता है। परन्तु अविद्या वशात् वह अपने स्वरूप को भूला हुआ है। इसी से अपने को अल्पज्ञ पाता है। अल्पज्ञता के साथ-साथ शक्तिमत्ता आती है। जिसका परिणाम दुःख होता है।

(अ) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) आत्मा को क्या माना गया है?
(द) प्रस्तुत गद्यांश में किसका वर्णन किया गया है?
(य) इस गद्यांश में आनन्द की कुंजी किसे माना गया है?

4. दिये गये पद्यांशों पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए—

अनियारे, दीरघ दृगनु किती न टारनि समान।
वह चितवनि और कछू, जिहि बात होत सुजान।।

(अ) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ब) प्रस्तुत दोहे की व्याख्या कीजिए।
(स) चतुर लोग किन पर अनुरक्त होते हैं?
(द) किनकी रीति एक जैसी नहीं होती है?
(य) उपर्युक्त पद्यांश में कौन-सा रस है?

अथवा

www.mseducationtv.com
Scanned with OKEN Scanner

साजि चतुरंग सैन अंग में उमंग धारि,
सरजा शिवाजी जंग जीतन चलत है।
भूषन भनत नाद बिहद नगारन के,
नदी नद मद गैबरन के रलत है।
ऐलफैल खैलभैल खलक में गैलगैल,
गजन की ठेल पेल सैल उसलत है।
तारा सो तरनि धूरिधारा मे लगत जिमि,
थारा पर पारा पारावार मो हलत है।

(अ) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) प्रस्तुत पद्यांश में किसके पराक्रम का वर्णन किया गया है?
(द) शिवाजी के युद्ध प्रस्थान के समय पहाड़ों की स्थिति क्या है?
(य) प्रस्तुत पद्यांश का काव्य सौन्दर्य भी लिखिए।

5 निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उसकी प्रमुख कृतियों को लिखिए—
(अ) भारतेन्दु (ब) सरदार पूर्ण सिंह (स) डॉ. सम्पूर्णानन्द

6 निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उसका साहित्यिक परिचय दीजिए— https://www.upboardonline.com
(अ) कबीर (ब) सूर (स) भूषण

7. निम्नलिखित कहानियों में से किसी एक कहानी का सारांश लिखिए—
(अ) बलिदान (ब) प्रायश्चित (स) आकाशदीप

8. सूत-पुत्र नाटक के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए। 5

खण्ड 'ख'

9. निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2+5=7
(क) अयं पर्वतराजः भारतवर्षस्य उत्तर सीम्नि स्थितः तत् प्रहरीव शत्रुभ्यः सततं रक्षति। हिमालया देव समुद्गम्य गंगा-सिन्धु-ब्रह्मपुत्राख्याः महानद्यः शतद्रि-विपाशा-यमुना-सरयू-गण्डकी-नारायणीकौशिकी प्रभृतयः नद्यश्च समस्तामपि उत्तर भारत भुवं स्वकीयैः तीर्थोदकैः न केवलं पुनन्ति अपितु इमां शस्यश्यामलामपि कुर्वन्ति।

अथवा

गङ्गायमुनयोः पूर्व पुराण प्रसिद्धस्य महाराजस्य पुरुरवसः राजधी प्रतिष्ठानपुरम् झूँसीत्याधुनिकनाम्ना प्रसिद्धमस्ति। यस्य प्रतिष्ठा अद्यापि विदुषां महान्मानाञ्च स्थित्या अक्षुण्णैव।

(ख) निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अर्थ लिखिए— 2+5=7
अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वारि तस्य वर्द्धन्ते आयुर्विद्या यशोबलम्।

[P.T.O.

अथवा

हतो वा प्राप्स्यसि स्वर्गं जित्वा वा भोक्ष्यसे महीम्।
तस्मादुत्तिष्ठ कौंतेय! युद्धाय कृतनिश्चयः।।

10 (क) वीर अथवा शृंगार रस की परिभाषा सहित उदाहरण लिखिए। 2
(ख) उपमा अथवा श्लेष अलंकार की परिभाषा सहित उदाहरण लिखिए। 2
(ग) चौपाई अथवा सोरठा छन्द का लक्षण सहित उदाहरण लिखिए। 2

11 निम्नलिखित विषयों मे से किसी एक विषय में अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए— 9
(अ) आज का किसान : समस्याएँ और समाधान (ब) मेरा प्रिय साहित्यकार (स) मेरा विद्यालय

12 दीर्घ सन्धि की परिभाषा सहित उदाहरण लिखिए। 3

सामान्य वर्ग

13. (क) निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किन्हीं दो के अर्थ लिखकर उनका वाक्य प्रयोग कीजिए— 1+1=2
(अ) अंग-अंग फूले न समाना (ब) घी के दीये जलाना (स) नौ दिन चले अढ़ाई कोस
(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए—
(अ) महादेवी वर्मा विद्वान कवयित्री थी (ब) आज सभा में अनेकों नेताओं के भाषण हुए (स) मैं लड़कों को पढ़ाया हूँ।

14. शिक्षा ऋण के लिए बैंक मैनेजर को पत्र लिखिए। 5

साहित्य वर्ग

15. (क) निम्नलिखित शब्दों में समास विग्रह करके समास का नाम लिखिए— 2
(अ) माता-पिता (ब) कृष्ण सर्पः (स) नील कमल
(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में लिखिए—
(अ) कस्य शिखराणि सदैव हिमैः आच्छादितानि सन्ति? 2×2=4
(ब) विद्या केन रक्ष्यते?
(स) प्रयागः भारतस्य कस्मिन राज्ये वर्तते?
(ग) राजा और सरिता में से किसी एक के तृतीया बहुवचन में रूप लिखिए। 2
(घ) गुरुवे नमः में सनियम विभक्ति का वर्णन कीजिए। 2

16. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो का संस्कृत में अनुवाद कीजिए— 2×2=4
(अ) मैं विद्यालय जाता हूँ।
(ब) तुम्हारे पास शक्ति है।
(स) आप घर में हैं।

www.mseducationtv.com
Scanned with OKEN Scanner